हरियाणा । हिमाचल । जम्मू-कश्मीर

नैनीताल। बृहस्पतिवार । 3 नवंबर 2011

अमर उजाला

उरेडा के सहयोग से जेकेएस एवं स्केल का जागरूकता अभियान

सोलर एनर्जी का सदुपयोग वक्त की जरूरत

नैनीताल। भारत सरकार के दिशा निर्देशों के क्रम में ग्रीनटेक नालेज साल्यूसन तथा सोसाइटी टू क्रिएट अवेयरनेस टुवार्ड्स लाइफ एंड इनवायरमेंट के तत्वावधान में उत्तराखंड रिनुवेबल इनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी के सहयोग से उपभोक्ताओं को सोलर एनर्जी के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में जीकेएस के निदेशक डा.समीर मेथल ने इसे वक्त की जरूरत तथा भविष्य की सुरक्षा करार दिया। उन्होंने कहा कि यूरोप, टर्की, साइप्रस, आस्ट्रेलिया सोलर एनर्जी का उपयोग हो रहा है। चायना में भारत के मुकाबले 70 गुना सोलर एनर्जी सदुपयोग की जा रही है। बंगलूरू में सर्वाधिक सोलर एनर्जी संयंत्र है। गुजरात, कर्नाटक, हिमांचल में भी इस पर काम हो रहा है। स्केल के अरुण सिंहा ने कहा कि संस्था के माध्यम से ट्रेंड किए गए 15 टेक्नीशियन इसी क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। नाबार्ड के महा प्रबंधक पीके मिश्रा ने ऋण के संबंध में जानकारी दी। डा.आरपी गोस्वामी, एलडी शर्मा आदि ने भी विचार रखे। इस मौके पर प्रो.अजय रावत, गोपाल सुयाल, राजेश साह, वेद प्रकाश साह, विशाल खन्ना, बी नंदा, गीता पांडे, रामेश्वर साह, एनएस भाट, एमएस अधिकारी, सचिन वर्मा, एएस मेहता, पीएस नेगी मौजूद थे। (ब्यूरो)

मेरे पेट

वर्तुल, तिलक